कृपया प्रकाशनार्थ **17 नवंबर 2008**

विमान ईंधन की कीमत पेट्रोल की कीमत से कम:
केंद्र सरकार का विचित्र शास्त्र : राम नाईक

मुंबई, सोमवार : विमान ईंधन (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) के दर में रु.32.98 की कमी मतलब 45 प्रतिशत कमी कर धनी लोगों को सुविधा देने की जगह डॉ.मनमोहन सिंह की सरकार 'आम आदमी' के हित में पेट्रोल के भाव में रु.5/-, डिजलपर रु.3/- तथा रसोई गैस में रु.50/- की कमी करें, ऐसी माँग पूर्व पेट्रोलियम मंत्री और भाजपा नेता श्री.राम नाईक ने फिर से की है.

इस संदर्भ में अधिक जानकारी देते हुए श्री नाईक ने कहा कि, "डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार पेट्रोलियम क्षेत्र के विषय में दिशाहीन हो गई है. जुलाई 2008 में कच्चे तेल की कीमत आंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रति बैरल 147 डॉलर थी , वो नवंबर में घटकर 56 डॉलर यानी आधे से भी कम हो गयी है. पेट्रोल डिजल की कीमत को हफ्ते भर में कमी करने की घोषणा पेट्रोलियम मंत्री श्री. मुरली देवरा ने 23 अक्टूबर 2008 को लोक सभा में की थी . पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है. लेकिन विमान के ईंधन में सितंबर 2008 से पांच बार और तो चालू नवंबर के महीने में तीन बार कमी करने का निर्णय फटाफट ले लिया. 1अगस्त को विमान ईंधन रु.73.67 प्रति लीटर थी . जो अब रु.40.69 प्रति लीटर यानी रु.32.98 अर्थात कुल 45 प्रतिशत की कमी की है. परिणाम स्वरूप मोटर में लगनेवाले पेट्रोल की कीमत रु.55.07 प्रति लीटर पर विमान इंधन की कीमतउससे कम यानी रु.40.69 प्रति लीटर है."

" विमान कंपनियों के दबाव में आकर डॉ. मनमोहन सिंह, वित्त मंत्री डॉ.पी चिदंबरम, पेट्रोलियम मंत्री श्री मुरली देवरा और उड्डयन मंत्री श्री प्रफुल्ल पटेल ने मिलकर यह विचित्र अर्थशास्त्र तैयार किया है. एक तरफ मुंह फाडे खडी महंगाई तो दूसरी तरफ मंदी की मार, दोनो के बीच 'आम आदमी' पिस रहा है. पेट्रोल दर में रु.5/-, डिजलपर रु.3/- तथा रसोई गैस में रु.50/- तुरंत कमी करो, नहीं तो आनेवाले समय में कांग्रेस सरकार को जनता इसका सही जवाब देगी," श्री.राम नाईक ने फिर से मांग को दोहराते हुए कहा.

(कार्यालय मंत्री)